हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 55 : जौनपुर, सोमवार 20 नवम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

सीएम शिंदे के खिलाफ किया आपत्तिजनक पोस्ट

मुंबई (एजेन्सी)। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ फेसबुक पर कथित तौर पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने शनिवार को बताया कि 56 वर्षीय महिला शिकायतकर्ता के अनुसार जिस फेसबुक अकाउंट पर अश्लील पोस्ट किया गया है वह शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता के नाम पर है। यूबीटी का आशय उद्धव बालासाहेब ठाकरे से है। शिकायतकर्ता यहां अंधेरी विधानसभा क्षेत्र के लिए शिंदे नीत शिवसेना की समन्वयक हैं। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता को ऑनलाइन खबर पढ़ने के दौरान ये पोस्ट मिला, पोस्ट का मकसद महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 509 (शब्द, इशारा या कृत्य से एक महिला की गरिमा का अपमान।

इजराइल ने आम लोगों पर दाग दिए रॉकेट

नई दिल्ली (एजेन्सी)। गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से में हवाई हमले अब भी किए जा रहे हैं। गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से में हवाई हमले किए गए हैं। यह हमले उस इलाके में हुए हैं जहां फिलिस्तीनी नागरिकों को रखा गया है। हमले के बाद कई फिलिस्तीन नागरिकों की मौत हो गई है। इन सभी नागरिकों ने स्कूलों में शरण ली हुई थी। ग्राउंड ऑपरेशन के लिए इसराइल का मुख्य फोकस गाजा शहर के अल शिफा अस्पताल पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नेतृत्व में एक टीम ने शनिवार को शिफा अस्पताल का दौरा भी किया है। इस टीम ने अस्पताल और आसपास के इलाकों में हुई गोलाबारी को देखते हुए इसे डेथ जोन करार दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि बचे हुए मरीज और कर्मचारियों को भी तत्काल निकालने की योजना पर काम चल रहा है।

बीएचयू में तीन हजार से अधिक सीटें खाली

वाराणसी (एजेन्सी)। बीएचयू मुख्य परिसर और संबद्ध कॉलजों में यूजी और पीजी में दाखिले की प्रक्रिया पूरी हो गई है। वहीं, इस सत्र में तीन हजार से अधिक सीटें खाली रह गई हैं। परिसर में 1400 जबकि कॉलेजों में 1623 सीटें अभी तक नहीं भर पाई हैं। ये स्थिति तब है जब विश्वविद्यालय सीटें भरने के लिए मॉपअप राउंड भी चला चुका है। इसके बाद भी जितनी सीट थी, उतने विद्यार्थी नहीं मिल पाए। इसके पीछे काउंसिलिंग का देर से शुरू होना और तकनीकी खामियां मुख्य वजह मानी जा रही हैं। बीएचयू से जुड़े चार कॉलेज हैं, जहां यूजी और पीजी में वाराणसी समेत देश के विभिन्न जगहों से आने वाले विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं। पहले मुख्य परिसर और कॉलेजों में दाखिले की प्रक्रिया विश्वविद्यालय की ओर से कराई जाती थी। पिछले कुछ साल से नेशनल टेस्टिंग के पास प्रवेश की जिम्मेदारी हैं।

भाजपा विधायक ने की शौचालय की सफाई

एटा (एजेन्सी)। एटा में भाजपा विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी ने ब्रश पकड़ा और सामुदायिक शौचालय की सफाई में जुट गए। उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। लोगों ने उनकी सराहना की। उत्तर प्रदेश के एटा में रविवार को विश्व शौचालय दिवस मनाया जा रहा है। लोगों को इसके इस्तेमाल को लेकर जागरूक किया जा रहा है। मारहरा से विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी भी जागरुकता के लिए आगे आए। इस मौके पर उनका अंदाज अलग दिखा। विधायक मारहरा कस्बा में बने सामुदायिक शौचालय पहुंचे। यहां गंदे पड़े शौचालय को देख खुद ही ब्रश पकड़ लिया और सफाई में जुट गए। कुछ ही मिनटों में उन्होंने शौचालय चमका दिया। बताते चलें कि उन्होंने ऐसा पहली बार नहीं किया। स्वच्छ भारत मिशन में स्वच्छता कार्यों में उनकी सक्रियता के चर्चे पहले भी रहे हैं। मुख्यमंत्री तक उन्हें फोन कर सराह चुके हैं।

टेढ़ी पुलिया चौराहा अब खालसा चौक : सीएम योगी बोले– देश–धर्म की रक्षा की प्रेरणा देता है सिख गुरुओं का बलिदान

टेढ़ी पुलिया के नाम से जाना जाने वाला चौराहा अब खालसा चौक के नाम से जाना जाएगा

लखनऊ (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आलमबाग में खालसा चौक का लोकार्पण किया। टेढ़ी पुलिया के नाम से जाना जाने वाला यह चौराहा अब खालसा चौक के नाम से जाना जाएगा। इस दौरान उन्होंने लोगों को बधाई देते हुए इशारों–इशारों में सपा सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित होने वाली इफ्तार पार्टी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि उनसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय में अन्य तरह के आयोजन होते थे। वहीं प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय में गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व का भव्य आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिख धर्म के दसवें गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिन्द सिंह जी के ज्योति ज्योत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरू गोविंद सिंह महाराज ने विदेशी आक्रांताओं से भारत के धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की थी। इस पंथ ने मातृभूमि की रक्षा में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग और बलिदान हम सबको देश और धर्म की रक्षा की प्रेरणा प्रदान करता है। सीएम योगी ने कहा कि सिख गुरुओं का इतिहास हमें भारत की गौरवशाली विजयगाथा का स्मरण कराता है। उन्होंने सिख समाज के त्याग, बलिदान परंपरा, ध र्म के प्रति समर्पण और समाज के प्रति सेवाभाव को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में हम लोगों को अनेक कार्यक्रमों में सहभागी बनने का अवसर प्राप्त होगा। 24 नवंबर को ही गुरु तेग बहादुर जी का पावन शहीदी दिवस, 27 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के दिन गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व और 26 दिसंबर बीरबाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सबको अपने इतिहास पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यमंत्री परमिंदर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान राजेन्द्र सिंह बग्गा, प्रधान गुरुद्वारा शंकरनगर आलमबाग के प्रधान सरदार मनमोहन सिंह सेठी समेत सिख समाज के लोग भारी संख्या में उपस्थित थे।

प्रतिबंध हटने के बाद दिल्ली के स्कूल खुलने को तैयार, आज से शुरू होंगी क्लास

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए कई तरह के इंतजाम दिल्ली सरकार ने किए थे। सुप्रीम कोर्ट ने भी दिल्ली में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए फटकार लगाई थी। इसी बीच दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने कई कदम उठाए थे। इसी कड़ी में जीआरएपी IV भी लागू किया गया था, जिससे प्रदूषण कम करने में कुछ मदद मिली है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए स्कूलों की भी छुट्टियां की गई थी। बच्चों को घर पर ही रहने की हिदायत दी गई थी। इसी बीच रविवार को एक नोटिस में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजधानी के सभी सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूल 20 नवंबर से ऑफलाइन मोड में कक्षाएं फिर से शुरू करेंगे क्योंकि ळत।च प्ट को रद्द कर दिया गया है। शिक्षा निदेशालय के एक परिपत्र में कहा गया है कि एक्यूआई में सुधार और आईएमडी/आईआईटीएम के पूर्वानुमान के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है कि निकट भविष्य में दिल्ली के एक्यूआई में किसी तेज गिरावट का कोई संकेत नहीं है। सर्कुलर में कहा गया है कि प्री–स्कूल से लेकर 12वीं कक्षा तक के सभी छात्रों के लिए कक्षाएं 20 नवंबर से फिर से शुरू होंगी। दिल्ली–एनसीआर के लिए केंद्र की ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कार्यों को चार चरणों में वर्गीकृत करती है: स्टेज खराब (AQI 201–300), स्टेज II – बहुत खराब (AQI 301–400), स्टेज III – गंभीर।

सुरंग में वर्टिकल होल बनाने के लिए ड्रिलिंग की तैयारियां शुरू

उत्तरकाशी के सिल्क्यारा में एक निर्माणाधीन सुरंग में 40 श्रमिक फंसे हुए हैं जिन्हें बचाने के लिए प्रयास जोर शोर से किए जा रहे हैं

नई दिल्ली (एजेन्सी)। उत्तरकाशी के सिल्क्यारा में एक निर्माणाधीन सुरंग में 40 श्रमिक फंसे हुए हैं जिन्हें बचाने के लिए प्रयास जोर शोर से किया जा रहे हैं। सुरंग धसने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन बीते 8 दिनों से लगातार जारी है। श्रमिकों को बचाने के लिए पहाड़ी के ऊपर से एक वर्टिकल होल बनाया जा रहा है। इस हॉल को बनाने के लिए ड्रिलिंग की जा रही है। इस घटना के बाद लगातार प्रधानमंत्री कार्यालय की भी मजदूरों की रिस्क पर नजर बनी हुई है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री कार्यालय ने अब विभिन्न एजेंसियों के जरिए चार मोर्चे पर एक साथ बचाव अभियान चलाने का फैसला किया है। पहले मोर्चे पर जिम्मेदारी एसजेवीएनएल ने उठा रखी है जो सुरंग के ऊपर 120 मीटर की 1 मीटर वर्टिकल सुरंग के लिए खुदाई कर रहा है। इसके अलावा नवयुग इंजीनियरिंग को 60 मीटर लंबी सुरंग की खुदाई करने की जिम्मेदारी सौंप गई है। तीसरी टीम टीएचडीसी की है जो विपरीत दिशा से लगभग 400 मीटर की सुरंग की खुदाई करेगी। इसके अलावा चौथा मोर की पर ओएनजीसी नीचे से होरिजेंटल तरीके से सुरंग को खोदने का काम करने में जुटी हुई है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग और संरचना विकास निगम लिमिटेड, तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम, सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड, टीएचडीसी, आरवीएनएल को मिलाकर खुदाई की जिम्मेदारी दी गई है। बचाव कार्य में बचाव कार्य में बीआरओ और भारतीय सेना भी जुटी हुई है। इस घटना को लेकर केंद्र सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ध ामी ने घटनास्थल का निरीक्षण भी किया है। गडकरी ने मीडिया को निरीक्षण के बाद बताया कि जल्द ही इस रेस्क्यू ऑपरेशन में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसको लेकर चिंतित है। राज्य सरकार लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में मदद मुहैया करा रही है। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग तक वैकल्पिक रास्ता रविवार दोपहर बाद तक तैयार कर दिया जाएगा और बीते शुक्रवार से रूका हुआ बचाव अभियान दोबारा शुरू हो जाएगा। प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार और वर्तमान में उत्तराखंड सरकार में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) भास्कर खुल्बे ने सिल्क्यारा में कहा कि ठोस प्रयासों से चार–पांच दिन में अच्छे नतीजे आएंगे। उन्होंने कहा, लेकिन अगर भगवान की कृपा रही तो यह उससे पहले भी हो सकता है। प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अधिकारियों और साइट पर विशेषज्ञों की एक टीम ने 41 लोगों को बचाने के लिए पांच योजनाओं पर एक साथ काम करने का फैसला किया है।

केंद्रीय मंत्री रीजीजू मालदीव के नये राष्ट्रपति मुइज्जू के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत की 'पड़ोस प्रथम नीति' को रेखांकित करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने मालदीव के नये राष्ट्रपति के तौर पर मोहम्मद मुइज्जू के शपथ ग्रहण समारोह में देश का प्रतिनिधित्व किया। मालदीव, हिंद महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है। पृथ्वी विज्ञान मंत्री रीजीजू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मालदीव में माले स्थित ऐतिहासिक रिपब्लिक स्कवायर पर राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू और उप राष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद लतीफ के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान और सौभाग्य की बात है।'' मुइज्जू, मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के करीबी सहयोगी हैं। यामीन ने 2013 से 2018 तक राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान चीन के साथ निकट संबंध स्थापित किए थे। मुइज्जू ने सितंबर में हुए चुनाव में अपने पूर्ववर्ती इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को पराजित किया था, जो भारत समर्थक थे। इंजीनियर से नेता बने मोहम्मद मुइज्जू ने रीजीजू समेत कई विदेशी हस्तियों की मौजूदगी में मालदीव के आठवें राष्ट्रपति के रूप में शुक्रवार को शपथ ली। मुइज्जू (45) ने 'पीपुल्स मजलिस' की विशेष सभा में पद की शपथ ली। प्रधान न्यायाधीश मुथासिम अदनान ने मुइज्जू को पद की शपथ दिलाई। इस समारोह में हुसैन मोहम्मद लतीफ ने मालदीव के 10वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में में हुआ सुधार, लोगों को मिली राहत

केंद्र सरकार ने वायु गुणवत्ता में हुए सुधार के बाद (जीआरएपी) के चौथे चरण के तहत लगाए गए प्रतिबंधों को रद्द करने का आदेश दिया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्र सरकार ने दिल्ली–एनसीआर में अनुकूल हवा की गति के कारण वायु गुणवत्ता में हुए सुधार के बाद क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के चौथे चरण के तहत लगाए गए प्रतिबंधों को रद्द करने का आदेश दिया। इस आदेश से दिल्ली–एनसीआर में सार्वजनिक परियोजनाओं का निर्माण कार्य प्रारंभ होने के साथ ही ट्रकों एवं वाणिज्यिक चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर लगा प्रतिबंध हट जाएगा। केंद्र सरकार की जीआरएपी के अंतिम चरण के तहत यानी चौथे चरण में ये प्रतिबंध लगाए जाते हैं। राष्ट्रीय राजध ानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली–एनसीआर से सभी आपातकालीन उपायों को रद्द करने का आदेश दिया है जो केवल सीएनजी, इलेक्ट्रिक और बीएस छह संबंधित वाहनों के दिल्ली में प्रवेश की अनुमति देते हैं। सीएक्यूएम के नवीनतम आदेश के अनुसार, जीआरएपी के चौथे चरण में केवल आवश्यक वाहनों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति दी गई थी जबकि इससे अलग सभी मध्यम एवं ट्रकों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया था। प्रदूषण नियंत्रण निकाय ने कहा कि जीआरएपी के चरण एक, दो और तीन के तहत गैर–आवश्यक निर्माण कार्य, खनन, पत्थर तोड़ने का कार्य और डीजल जनरेटर पर प्रतिबंध सहित अन्य सभी प्रतिबंध जारी रहेंगे। दिल्ली का शाम चार बजे 24 घंटे का औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शनिवार को सुधरकर 319 रहा जो 405 था। पड़ोस में स्थित गाजियाबाद (276), गुरुग्राम (322), ग्रेटर नोएडा (228), नोएडा (265) और फरीदाबाद (309) में भी वायु गुणवत्ता बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई।

शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 और 100 के बीच संतोषजनक , 101 और 200 के बीच मध्यम , 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बहुत खराब , 401 और 450 के बीच को गंभीर और 450 से ऊपर को ''अति गंभीर'' माना जाता है। सीएक्यूएम ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग एवं भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान से दिल्ली–एनसीआर में आने वाले दिनों में समग्र वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट आने का संकेत नहीं मिलता है। दिल्ली सरकार और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर की एक संयुक्त परियोजना के हालिया निष्कर्षों से पता चला है कि शुक्रवार को राजध ानी के वायु प्रदूषण में वाहनों के उत्सर्जन का लगभग 45 प्रतिशत योगदान था। शनिवार को इसके घटकर 38 फीसदी रहने की संभावना है। दिल्ली की खराब हवा में दूसरा प्रमुख योगदान सल्फेट और नाइट्रेट जैसे कणों का है।

अमेरिका में सहायक मंत्री डोनाल्ड लू के खिलाफ विधिक कार्यवाही करेंगे इमरान खान-बहन ने कहा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को यदि देश की अदालतों से न्याय नहीं मिला तो वह अमेरिका में विदेश विभाग के सहायक मंत्री डोनाल्ड लू के खिलाफ मामला दर्ज कराएंगे। यह बात इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कही। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष खान (71) वर्तमान में सिफर (गुप्त राजनयिक केबल) मामले में न्यायिक हिरासत में रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। कथित सिफर में पिछले साल दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के सहायक मंत्री डोनाल्ड लू और पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद खान सहित अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारियों के बीच एक बैठक का विवरण था। अगस्त 2018 से अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे खान पर आरोप है कि उन्होंने सिफर की सामग्री का दुरुपयोग करके यह कहानी गढ़ी कि उनकी सरकार को अमेरिका द्वारा रची गई साजिश के कारण सत्ता से हटना पड़ा। इस आरोप का वाशिंगटन ने कई बार खंडन किया है। 'जियो न्यूज' की शुक्रवार की खबर के अनुसार, खान की बहन ने अदियाला जेल में उनसे मुलाकात के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। इस खबर में अलीमा के हवाले से कहा गया है पीटीआई के अध्यक्ष ने कहा कि अगर उन्हें पाकिस्तानी अदालतों से न्याय नहीं मिला, तो वे डोनाल्ड लू के खिलाफ अमेरिकी अदालतों में मामला दायर करेंगे।

धोरडो को मिला सर्वश्रेष्ठ पर्यटक का खिताब, रण उत्सव के लिए है प्रसिद्ध

भारत का यह इकलौता गांव धोरडो है जो इस सूची में जगह पाने में सफल हुआ है ये भारत के सुंदर प्राकृतिक स्थल में से एक है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। गुजरात का कच्छ जिला अपने सफेद रण के लिए तो मशहूर है ही, मगर अब कच्छा का धोरडो गांव भी बेहद प्रसिद्ध हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व पर्यटन संगठन ने धोरडो गांव को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटक गांव की सूची यानी बेस्ट टूरिज्म विलेज की लिस्ट में शामिल किया है। भारत का यह इकलौता गांव है जो इस सूची में जगह पाने में सफल हुआ है। ये भारत के सुंदर प्राकृतिक स्थल में से एक है। विश्व पर्यटन संगठन के बयान की माने तो वर्ष 2021 में कई गांव के सम्मान की पहल की शुरुआत की गई थी। इसी तरीके जरिए ग्रामीण विकास पर्यटन कार्यक्रम को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए, जनसंख्या में गिरावट को रोका जाए, पर्यटन के जरिए मूल्य श्रृंखला एकीकरण की प्रक्रियाओं को उत्साहित किया जाए। विश्व पर्यटन संगठन ने इस वर्ष सर्वाधिक गांव को इस सूची में शामिल किया है। बता दे की सबसे अधिक गांव जापान के हैं उसके बाद चीन, पुर्तगाल और पेरू का नंबर आता है। संगठन सूची में गांव को शामिल करने के लिए कई बातों को ध्यान में रखता है। यह सम्मान मूल रूप से उन गांवों को दिया जाता है जहां ग्रामीण इलाकों का विकास, परिदृश्य और सांस्कृतिक विविध ाता, स्थानीय मूल्य के साथ खानपान की परंपराओं को संरक्षित किया जाता है। आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष इस सूची में शामिल करने के लिए कुल 260 गांव का नामांकन आया था जिनमें से 54 गांव का चयन किया गया है। भुज से लगभग 86 किलोमीटर दूर धोरड़ो गांव है, जिसकी आबादी महज 1000 है। यह गांव भारत–पाकिस्तान सीमा के बेहद करीब है। बता दें कि हर वर्ष अपने रण उत्सव कि वैश्विक आयोजन के लिए काफी प्रसिद्ध है। रण उत्सव का आयोजन हर वर्ष नवंबर में होता है। ऐसा आयोजन के दौरान धोरडो गांव में देश विदेश से हजारों लाखों पर्यटक आते हैं। इस रण उत्सव को एक सांस्कृति उत्सव माना जाता है जो पारंपरिक कला, संगीत, नृत्य और शिल्प को दर्शाता है। पर्यटक खासतौर से इस रण उत्सव का हिस्सा बनने आते है। इस दौरान यहां सांस्कृतिक प्रदर्शन, लोक नृत्य एवं संगीत, ऊंट की सवारी, पारंपरिक हस्तशिल्प और स्वादिष्ट पारंपरिक एवं स्थानीय व्यंजन की भरमार होती है। रण उत्सव की खासियत है कि पहले ये उत्सव महज तीन दिन के लिए आयोजित किया जाता था मगर अब इसकी प्रसिद्धी को देखते हुए इसे 100 दिनों के आयोजन में बदल दिया गया है। कच्छ के रण के बारे में बता दें कि यह नमक का एक दलदल है, जिसे वर्ष भर लाखों पर्यटक देखने आते है। दिन में ये गांव जितना खूबसूरत दिखता है तो रात की चांदी में भी यहां का नजारा बेहद मनमोहक होता है। गांव की खूबसूरती हर वर्ष लाखों लोगों को आकर्षित करती है। बता दें कि प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही कुछ वर्षों पहले धोरड़ो को पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करने का फैसला किया था, जो अब मूर्त रूप ले चुका है।

बर्थडे पार्टी में अनंत अंबानी ने शाहरुख खान के हाथ में थमाया सांप

नई दिल्ली (एजेन्सी)। ईशा अंबानी और आनंद पीरामल ने बीते दिन मुंबई में अपने जुड़वां बच्चों कृष्णा और आदिया के पहले जन्मदिन की पार्टी का आयोजन किया। इस ग्रैंड बर्थडे पार्टी में बॉलीवुड के हाई प्रोफाइल सितारों ने शिरकत की, जिनमें किंग खान भी शामिल थे। शाहरुख खान ब्लैक कलर के कैजुअल ऑउटफिट पहनकर ईशा अंबानी के बच्चों के पहले जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने पहुंचे थे। पार्टी से अभिनेता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग हैरान हो गए हैं। वायरल वीडियो में, अनंत अंबानी मजे–मजे में शाहरुख खान के हाथ में एक सांप पकड़ा देते हैं। शुरुआत में अभिनेता थोड़ा घबरा जाते हैं, लेकिन बाद में वह हंसने लगते हैं। बता दें, सिर्फ अनंत ही नहीं बल्कि उनकी मंगेतर राधिका मर्चेंट भी किंग खान के साथ मस्ती करती नजर आईं। शाहरुख के सांप वाले वीडियो को देखकर फैंस हैरान हैं और तरह–तरह की प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, श्मुफासा ने सांप पकड़ रखे हैं।श एक अन्य ने कमेंट किया, श्शाहरुख ने करण और काजोल को पकड़ रखा है।श एक अन्य ने लिखा, श्ठीक है... भाग्यशाली साँप। वर्क फ्रंट की बात करें तो किंग खान जल्द ही फिल्म डंकी में दिखाई देंगे।

सम्पादकीय

वोटों की राजनीति के चलते गैस चौंबर बन गए हैं दिल्ली व एनसीआर

जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने करीब 60 लाख यहूदियों की गैस चौम्बर में जहरीली गैस छोड़ कर हत्या की थी। कमोबेश यही हालत देश के नेता राजधानी दिल्ली के करोड़ों लोगों की कर रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि हिटलर ने नस्लवादी मानसिकता से सुनयोजित तरीके से इस भीषण नरसंहार को अंजाम दिया था और भारत में नेताओं की वोटों की राजनीति के कारण इसे अंजाम दिया जा रहा है। प्रदूषित जहरीली हवा से तिल–तिल करके मरने के लिए करोड़ों लोगों को छोड़ दिया गया है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र के करोड़ों लोग जहरीली हवा लेने को मजबूर हैं। वायु प्रदूषण से मुंबई की हालत भी खराब है। दिल्ली की तरह मुंबई भी गैस चेंबर बनी हुई है। मुंबई की हवा में सांस लेना एक दिन में 100 सिगरेट पीने के बराबर आंकी गई है। दिल्ली की हालत इससे भी कई गुना ज्यादा खराब है। दिल्ली में इतनी बड़ी आबादी लापरवाही और राजनीतिक स्वार्थों के चलते भीषण प्रदूषित हवा से तिल–तिल करने को मजबूर है। हर दिन हजारों की संख्या में श्वांस के रोगियों की तादाद बढ़ रही है। बच्चों और बुजुर्गों का जीना मुहाल हो चुका है। दिल्ली का वायुमंडल विश्व में सबसे प्रदूषित करार दिया जा चुका है। वोटों की राजनीति राजधानी के लोगों के जीवन पर भारी पड़ रही है। यदि सुप्रीम कोर्ट इसमें दखल नहीं देता तो दिल्ली और आस–पास के हालात शायद हिटलर के कत्लगाह बने जहरीले गैस चौम्बर जैसे बन जाते। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र में जानलेवा बने वायु प्रदूषण के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली की दमघोंटू जहरीली हवा लोगों के स्वास्थ्य की हत्या के लिए जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण एक राजनीतिक लड़ाई नहीं बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर सर्दियों में दिल्ली के वायु प्रदूषण में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी के पीछे पड़ोसी राज्यों– पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना एक प्रमुख कारक है। इसमें पंजाब सरकार से पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने को कहा गया। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार के वकील से कहा कि हम नहीं जानते कि आप इसे कैसे करते हैं, यह आपका काम है। लेकिन इसे रोका जाना चाहिए। तुरंत कुछ किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील अपराजिता सिंह ने कहा कि पंजाब में खेतों में लगने वाली आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता में गिरावट के लिए पराली जलाने का प्रमुख योगदान है। उन्होंने कहा कि सीएक्यूएम (वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) और राज्य कह रहे हैं कि वे वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं। लेकिन पराली जलाना अभी भी जारी है। प्रदूषण की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और उत्तर प्रदेश को निर्देश देते हुए कहा कि ये राज्य पराली जलाना तुरंत बंद कर दें। मामले पर कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निशाने पर लिया। जस्टिस संजय किशन कौल और सुधांशु धुलिया की बेंच ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण कम करने वाले स्मॉग टावर लगाए गए और उनका खूब प्रचार किया गया लेकिन वह बंद पड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरफ से पराली को नष्ट कर खाद बनाने वाले केमिकल के प्रचार पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पराली को खाद बनाने वाले एक केमिकल का दावा किया था। क्या यह कभी सफल हुआ? लगता है यह सब सिर्फ दिखावा ही था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में केवल एक दूसरे पर दोषारोपण का खेल जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने अपना बुलडोजर शुरू किया तो हम नहीं रुकेंगे। अदालत ने यह भी पूछा कि पंजाब में धान क्यों उगाया जा रहा है, जबकि जलस्तर पहले से ही इतना नीचे है। आप क्या कर रहे हैं? अपने जलस्तर को देखें। आप पंजाब में धान की अनुमति क्यों दे रहे हैं? आप पंजाब को हरित भूमि से बिना फसल वाली भूमि में बदलना चाहते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि पंजाब में धान की खेती का विकल्प खोजा जाए। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में कोई कमी नहीं आ रही है। पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं से राज्य की आबोहवा खराब हो रही है। इसका असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ रहा है। प्रमुख शहर जैसे अमृतसर, बठिंडा, लुधियाना में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) काफी खराब कैटेगरी में चल रहा है। पंजाब में सबसे ज्यादा पराली जलाने के मामले सामने आए हैं। पंजाब में कुल 1,830 मामले दर्ज किया जा चुके हैं। फिरोजपुर दूसरे नंबर पर हैं। अकेले फिरोजपुर में 299 मामले पराली जलाने के दर्ज किए गए है। दिवाली के बाद वायु प्रदूषण की हालत और भी खराब हो गयी है। चिकित्सकों के मुताबिक पिछले कुछ महीनों से ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जो फेफड़ों के इंफेक्शन से ठीक होने के बाद भी सांस फूलने की शिकायत कर रहे हैं। युवा मरीजों में भी ऐसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

टाइगर, पठान और कबीर की दुनिया में भारत की कहानी

अगर अमेरिकी सुपरहीरो फिल्में दुनिया को अमेरिकी जीवन–शैली बेचने में सफल रही हैं, तो उम्मीद है कि भारत के लिए टाइगर, पठान और कबीर की संयुक्त ताकत भी ऐसा ही करेगी। यशराज फिल्म्स के रोमांटिक युग से हटकर उसके प्रमुख आदित्य चोपड़ा अब एक नई तरह की देशभक्ति को रच रहे हैं– जिसे 'कंज्यूम' किया जा सके, पहचाना जा सके और जो निर्यात के योग्य भी हो। लिहाजा अविनाश सिंह राठौड़ के कारनामों के नवीनतम संस्करण यानी 'टाइगर 3' में हमारे पास ऐसा अलबेला रॉ जासूस है, जो न केवल भारत और पाकिस्तान के बीच शांति–वार्ताओं को कायम रखे है, बल्कि पाकिस्तान की भी उसके अलोकतांत्रिक डीएनए से रक्षा कर रहा है! यह टाइगर की जिम्मेदारी है कि वह पाकिस्तान की नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री को उसकी दुष्ट सेना के जनरल से बचाए, जो उन्हें हटा देना चाहता है। इससे उसे क्या मिलेगा? कुछ नहीं, सिवाय इसके कि इस्लामाबाद में काल्पनिक प्रधानमंत्री के अधिकृत आवास में यानी पाकिस्तानी धरती पर स्कूली लड़कियों का एक समूह भारतीय राष्ट्रगान बजाता है और टाइगर और उनकी 'टाइग्रेस' (सेवानिवृत्त आईएसआई एजेंट जोया) की आंखों में आंसू आ जाते हैं। आप मान सकते हैं थिएटर में मौजूद लोगों की आंखें भी इस दृश्य पर नम ही होंगी! अगर 'पठान' भारत माता के बारे में थी तो 'टाइगर 3' भारत माता की भावना और स्वतंत्रता, लोकतंत्र, शांति के मूल्यों के बारे में है। टाइगर भी इन्हीं मूल्यों से संचालित होता है। दोनों ही फिल्मों में सुपरहीरो की भूमिकाएं मुस्लिम अभिनेताओं– शाहरुख खान और सलमान खान ने निभाई हैं, जिनकी देशभक्ति पर अक्सर सवाल उठाए जाते रहते हैं। यशराज के 'स्पाईवर्स' (जासूसी–लोक) में वे देश और विदेश में भारतीय जीवनशैली के रक्षक बनकर कट्टरता के खिलाफ भी आवाज बुलंद करते हैं। यह भी संयोग नहीं है कि 'टाइगर 3' में दिवाली का लगातार संदर्भ दिया जाता है। सलमान को पर्यावरण के प्रति जागरूक नायक तक के रूप में चित्रित किया गया है। वो कहते हैं– 'मैं दिवाली पटाखों से नहीं, मुंह मीठा करके मनाता हूं।' टाइगर के मायकेध्ससुराल के रूप में पाकिस्तान का भी लगातार उल्लेख किया जाता है कि कैसे वह जो कुछ भी कर रहा है, अपने 'ससुराल वालों' (उसकी पत्नी जोया पाकिस्तानी जो है) की ही मदद के लिए कर रहा है। इससे पहले आई फिल्म 'पठान' में भी पठान के वनवास से लौटने का संकेत किया गया था। एक तरह से आदित्य चोपड़ा अपने परिवार की विरासत की तरफ ही लौटकर जा रहे हैं। उनके पिता यश चोपड़ा लाहौर के एक पंजाबी परिवार से थे, जिन्हें विभाजन के दौरान मुल्क छोड़ना पड़ा। निर्देशक के रूप में यश की पहली फिल्म 'धूल का फूल' (1959) थी, जिसमें दिखाया गया था कि एक मुस्लिम परिवार एक हिंदू लड़के को पालता है। उनकी दूसरी फिल्म 'धर्मपुत्र' (1961) में भूमिकाएं बदल गई थीं। इस बार युवा शशि कपूर ने एक ऐसे कट्टरपंथी की भूमिका निभाई थी, जो चाहता था कि विभाजन के बाद मुसलमानों को भारत छोड़ देना चाहिए। लेकिन आदित्य चोपड़ा का जासूसी–लोक पाकिस्तान को एक नाकाम राष्ट्र के रूप में प्रदर्शित करते हुए विभाजन के घावों पर मरहम लगाता है।

आखिर राजनीतिक मुद्दा क्यों नहीं बनता प्रदूषण या पर्यावरण

इन सभी 11 शहरों में दिवाली के दिन और उसके बाद के बारह घंटों (यानी 13 नवंबर की दोपहर तक) में पीएम 2.5 का स्तर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की दैनिक औसत श्अच्छीश सीमा यानी 30 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से ऊपर था। इन 11 शहरों में से पटना में दिवाली के दिन पीएम 2.5 का स्तर सर्वाधिक 206.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन की दैनिक सुरक्षित सीमा 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से 13 गुना ज्यादा था। जाहिर है, दिवाली पर पटाखे चलाना वायु प्रदूषण का एकमात्र प्रमुख कारण नहीं है, यह अन्य कारकों– निर्माण, औद्योगिक उत्सर्जन, ऊर्जा संयंत्र उत्पादन, वाहन प्रदूषण, पराली जलाना, बायोमास और अन्य के साथ इसमें बस योगदान करता है। हमें उन सभी कारकों पर बात करनी चाहिए, जो कुल मिलाकर हवा को प्रदूषित करने में योगदान देते हैं। केवल कुछ कारणों पर बात करने से कोई फायदा नहीं होने वाला। हमें स्वयं से यह सवाल करने की जरूरत है कि क्या हम अपने और अपने बच्चों की सेहत का ख्याल रखते हैं।

लेखा चटर्जी

दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल ने जहरीली यानी प्रदूषित हवा के असर से बीमार लोगों के इलाज के लिए एक बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) शुरू किया है। अस्पताल प्रशासन इसे श्पॉल्यूशन ओपीडीश कह रहा है। यह बताने के लिए काफी है कि प्रदूषण का हमारे शरीर पर क्या असर पड़ रहा है। हालांकि जहरीली हवा सिर्फ दिल्ली की समस्या नहीं है। इस बात पर बार–बार जोर दिए जाने की जरूरत है कि बेशक जहरीली हवा सबको प्रभावित करती है, लेकिन इसका असर हरेक व्यक्ति पर एक समान नहीं पड़ता है। इसलिए वायु प्रदूषण गहरी असमानता का भी विषय है, जिस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए। प्रदूषित हवा के कई कारण होते हैं, जो अलग–अलग मौसम एवं अलग–अलग जगह पर निर्भर करते हैं। हम एकरूपता में इस पर विचार नहीं कर सकते। यह मान लेना भी गलत होगा कि पहले से ही जहरीली हवा में थोड़ा और प्रदूषण भरने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यह मधुमेह के उस रोगी की तरह है, जिसे मधुमेह की गंभीर बीमारी है और वह यह तर्क देता है कि किसी खास दिन मिठाई खा लेने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। जैसा कि सरकार के आंकड़े बता रहे हैं, प्रदूषण का भीषण असर पड़ता है। हालांकि दिवाली से पूर्व दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे कुछ शहरों में बेमौसम बारिश के चलते त्योहार से पहले प्रदूषण का स्तर कम हो गया था, लेकिन पटाखों पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाए गए प्रतिबंध का कई जगहों पर उल्लंघन होने से दिवाली की रात (12 नवंबर) वायु प्रदूषण बढ़ना शुरू हो गया और कई जगहों पर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया। सरकार के ही आंकड़े इसकी गंभीरता की तस्दीक करते हैं। एनसीएपी (राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम) ट्रैकर ने वर्ष 2022 एवं 2023 के लिए विभिन्न राज्यों की 11 राजधानी शहरों–बंगलूरू, भोपाल, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, हैदराबाद, लखनऊ, मुंबई और पटना का दिवाली से पहले, दिवाली के दिन और दिवाली के बाद पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण) के आंकड़ों का विश्लेषण किया। ये आंकड़े केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सतत परिवेश वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों (सीएएक्यूएमएस) से लिए गए थे। इस विश्लेषण में पाया गया कि इस वर्ष दिवाली से एक दिन पहले यानी 11 नवंबर को 11 में से आठ शहरों में पीएम 2.5 का स्तर वर्ष 2022 के 23 अक्तूबर (पिछले वर्ष दिवाली से एक दिन पहले) की तुलना में कम था। हालांकि उस दिन गांधीनगर, कोलकाता और पटना में पीएम 2.5 का स्तर वर्ष 2022 की तुलना में ज्यादा था। इन सभी 11 शहरों में दिवाली के दिन और उसके बाद के बारह घंटों (यानी 13 नवंबर की दोपहर तक) में पीएम 2.5 का स्तर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की दैनिक औसत श्अच्छीश सीमा यानी 30 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से ऊपर था। इन 11 शहरों में से पटना में दिवाली के दिन पीएम 2.5 का स्तर सर्वाधिक 206.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन की दैनिक सुरक्षित सीमा 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से 13 गुना ज्यादा था। जाहिर है, दिवाली पर पटाखे चलाना वायु प्रदूषण का एकमात्र प्रमुख कारण नहीं है, यह अन्य कारकों– निर्माण, औद्योगिक उत्सर्जन, ऊर्जा संयंत्र उत्पादन, वाहन प्रदूषण, पराली जलाना, बायोमास और अन्य के साथ इसमें बस योगदान करता है। हमें उन सभी कारकों पर बात करनी चाहिए, जो कुल मिलाकर हवा को प्रदूषित करने में योगदान देते हैं। केवल कुछ कारणों पर बात करने से कोई फायदा नहीं होने वाला। हमें स्वयं से यह सवाल करने की जरूरत है कि क्या हम अपने और अपने बच्चों की सेहत का ख्याल रखते हैं। चूंकि इसका उत्तर श्हांश है, इसलिए हमें वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार सभी छोटे–बड़े कारकों पर ध्यान देना चाहिए, जो हमें धीरे–धीरे मार रहे हैं और उन लोगों से इसका जवाब मांगना चाहिए, जो नीतियां बनाते और उन्हें लागू करते हैं। जहरीली हवा का असर अमीर और गरीब लोगों पर अलग–अलग होता है। वायु प्रदूषण के कारण 90 फीसदी से ज्यादा मौतें निम्न और मध्यम आय वाले देशों, खासकर अफ्रीका एवं एशिया में होती हैं। यहां तक कि शहरों के भीतर भी अमीर लोगों के इलाकों की तुलना में गरीब लोगों के इलाके वायु प्रदूषण से ज्यादा प्रभावित होते हैं। गरीब लोग वायु प्रदूषण से इसलिए ज्यादा प्रभावित होते हैं, क्योंकि वे घर में बैठकर काम नहीं कर सकते।

वे आम तौर पर असंगठित क्षेत्रों, जैसे निर्माण उद्योग में काम करते हैं, जिसके कारण वायु गुणवत्ता ठीक न होने के बावजूद उन्हें घरों से बाहर काम करना पड़ता है। वे न तो एयर प्यूरिफायर खरीद सकते हैं और न ही उनके पास इतना पैसा और समय होता है कि वे समय पर स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठा सकें। इस बात की ज्यादा संभावना होती है कि वे साइकिल चलाकर काम पर जाएं, जो स्वच्छ हवा वाले इलाके में एक स्वस्थ गतिविधि है, लेकिन जब हवा प्रदूषित हो, तो ऐसा करना खतरनाक है। भौगोलिक दृष्टि से भी भारत के कुछ हिस्सों में वायु प्रदूषण की समस्या अधिक गंभीर है। जयजीत चक्रवर्ती एवं प्रत्यूष बसु द्वारा वर्ष 2021 में किए गए एक अध्ययन– 'एअर क्वालिटी ऐंड एनवायरनमेंटल इनजस्टिस इन इंडिया रू कनेक्टिंग पार्टिकुलेट पॉल्यूशन टू सोशल डिसएडवांटेज' में बताया गया कि 14 भारतीय शहरों में से 12, जो पीएम 2.5 स्तर के मामले में दुनिया के बीस सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में शामिल हैं, गंगा के मैदानी इलाकों में स्थित हैं, जो दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले इलाकों में से एक और भारत का प्रमुख कृषि क्षेत्र है। भारत की केवल 0.04 फीसदी आबादी और 0.03 फीसदी परिवार ऐसे जिलों में रहते हैं, जहां पीएम 2.5 की सांद्रता विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक नहीं है। इन शोध कर्ताओं ने पाया कि जिन जिलों में अंतरराष्ट्रीय मानकों से अधिक पीएम 2.5 प्रदूषण पाया गया, वहां कम से कम 85 फीसदी आबादी रहती है और जांच में उन्हें पता चला कि ये सामाजिक रूप से वंचित वर्ग से जुड़े परिवार थे। यह हमारे लिए चिंता का विषय होना चाहिए। हमें इस बात पर भी चिंता करनी चाहिए कि जहरीली हवा, जो देश के लाखों लोगों के लिए जीवन–मरण का सवाल है, चुनावी मौसम में राजनीतिक भाषणों का हिस्सा क्यों नहीं बनती। इन सभी 11 शहरों में दिवाली के दिन और उसके बाद के बारह घंटों (यानी 13 नवंबर की दोपहर तक) में पीएम 2.5 का स्तर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की दैनिक औसत श्अच्छीश सीमा यानी 30 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से ऊपर था।

इन 11 शहरों में से पटना में दिवाली के दिन पीएम 2.5 का स्तर सर्वाधिक 206.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन की दैनिक सुरक्षित सीमा 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से 13 गुना ज्यादा था। जाहिर है, दिवाली पर पटाखे चलाना वायु प्रदूषण का एकमात्र प्रमुख कारण नहीं है, यह अन्य कारकों– निर्माण, औद्योगिक उत्सर्जन, ऊर्जा संयंत्र उत्पादन, वाहन प्रदूषण, पराली जलाना, बायोमास और अन्य के साथ इसमें बस योगदान करता है। हमें उन सभी कारकों पर बात करनी चाहिए, जो कुल मिलाकर हवा को प्रदूषित करने में योगदान देते हैं। केवल कुछ कारणों पर बात करने से कोई फायदा नहीं होने वाला। हमें स्वयं से यह सवाल करने की जरूरत है कि क्या हम अपने और अपने बच्चों की सेहत का ख्याल रखते हैं। चूंकि इसका उत्तर श्हांश है, इसलिए हमें वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार सभी छोटे–बड़े कारकों पर ध्यान देना चाहिए, जो हमें धीरे–धीरे मार रहे हैं और उन लोगों से इसका जवाब मांगना चाहिए, जो नीतियां बनाते और उन्हें लागू करते हैं। जहरीली हवा का असर अमीर और गरीब लोगों पर अलग–अलग होता है। वायु प्रदूषण के कारण 90 फीसदी से ज्यादा मौतें निम्न और मध्यम आय वाले देशों, खासकर अफ्रीका एवं एशिया में होती हैं। यहां तक कि शहरों के भीतर भी अमीर लोगों के इलाकों की तुलना में गरीब लोगों के इलाके वायु प्रदूषण से ज्यादा प्रभावित होते हैं। गरीब लोग वायु प्रदूषण से इसलिए ज्यादा प्रभावित होते हैं, क्योंकि वे घर में बैठकर काम नहीं कर सकते। वे आम तौर पर असंगठित क्षेत्रों, जैसे निर्माण उद्योग में काम करते हैं, जिसके कारण वायु गुणवत्ता ठीक न होने के बावजूद उन्हें घरों से बाहर काम करना पड़ता है। वे न तो एयर प्यूरिफायर खरीद सकते हैं और न ही उनके पास इतना पैसा और समय होता है कि वे समय पर स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठा सकें। इस बात की ज्यादा संभावना होती है कि वे साइकिल चलाकर काम पर जाएं, जो स्वच्छ हवा वाले इलाके में एक स्वस्थ गतिविधि है, लेकिन जब हवा प्रदूषित हो, तो ऐसा करना खतरनाक है।

चिंताजनक है चीन और पाकिस्तान की कदमताल

वर्ष 1985 से चीन और जापान के बीच एक द्वीप पर विवाद चल रहा है, जिस पर चीन अपना दावा कर रहा है। चीन द्वारा दक्षिणी चीन सागर और हिंद महासागर के बहुत से क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय यातायात नियमों की अक्सर धज्जियां उड़ाई जाती है। इसी को देखते हुए हमारे नौसेना प्रमुख ने पिछले दिनों कहा था कि इन समुद्रों में व्यवस्थित और सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए खतरा पैदा हो गया है। उनका इशारा चीन की तरफ ही था। हिंद महासागर का तटीय देश होने के कारण पूरे विश्व को भारत से आशा है कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में सभी को सुरक्षा देने वाला क्षेत्र बने। इस कारण भारत ने भी अपनी नौसैनिक तैयारी पर पूरा जोर दिया है।

शिवदान सिंह

चीन और पाकिस्तान ने विगत 11 से 17 नवंबर तक अरब सागर में समुद्र संरक्षक नाम से संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया। इस युद्धाभ्यास के लिए चीन ने अपने बड़ी क्षमता वाले एयरक्राफ्ट करियर और नौसेना के लड़ाकू जहाजों को पनडुब्बियों के साथ कराची बंदरगाह पर भेजा था। इनके साथ पाकिस्तान की पूरी नौसेना ने इस अभ्यास में हिस्सा लिया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य हिंद, अरब तथा प्रशांत महासागरों में अपनी गश्त बढ़कर चीन और पाकिस्तान द्वारा अपना दबदबा स्थापित करना था। चीन ने निश्चय किया है कि इसके बाद दोनों देशों की नौसेना पूरे साल इन समुद्रों की चौकसी के लिए पेट्रोलिंग करेगी। वर्ष 1949 में चीन में कम्युनिस्ट शासन स्थापित होने के बाद माओ ने विस्तारवादी नीति अपनाते हुए अपने 16 पड़ोसी देशों की भूमियों पर अवैध कब्जा किया था। इसी के अंतर्गत चीन ने दक्षिणी चीन सागर और हिंद महासागर में अन्य देशों के नौ द्वीपों पर कब्जा करके इनमें अपने नौसेना के ठिकाने स्थापित कर दिए। अपनी विस्तारवादी नीति के अनुसार चीन अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं और उनके व्यापार पर भी कब्जा करना चाहता है, जैसा कि उसने श्रीलंका और पाकिस्तान में किया है। आज के युग में युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते, बल्कि दुश्मन देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक सौहार्द पर हमला करके परोक्ष रूप से भी लड़ा जा सकता है, जैसा कि चीन ने श्रीलंका और बहुत से अफ्रीकी देशों के साथ किया है, और अब पाकिस्तान में अपनी साझा आर्थिक गलियारा योजना के रूप में कर रहा है, जो उसकी बहुचर्चित बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव का ही हिस्सा है। अपनी विस्तारवादी नीति के कारण चीन ने दक्षिणी चीन, हिंद और प्रशांत महासागर के बहुत से देशों के द्वीपों पर कब्जा किया है, जिनमें वियतनाम, मंगोलिया, कजाकिस्तान, ताइवान और इंडोनेशिया का नाम आता है। वर्ष 1985 से चीन और जापान के बीच एक द्वीप पर विवाद चल रहा है, जिस पर चीन अपना दावा कर रहा है। चीन द्वारा दक्षिणी चीन सागर और हिंद महासागर के बहुत से क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय यातायात नियमों की अक्सर धज्जियां उड़ाई जाती है। इसी को देखते हुए हमारे नौसेना प्रमुख ने पिछले दिनों कहा था कि इन समुद्रों में व्यवस्थित और सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए खतरा पैदा हो गया है। उनका इशारा चीन की तरफ ही था। हिंद महासागर का तटीय देश होने के कारण पूरे विश्व को भारत से आशा है कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में सभी को सुरक्षा देने वाला क्षेत्र बने। इस कारण भारत ने भी अपनी नौसैनिक तैयारी पर पूरा जोर दिया है। इसके लिए भारतीय नौसेना में ड्रोन तथा आधुनिक पनडुब्बियों को शामिल किया गया है। चीन और भारत की जमीनी सीमाओं पर होने वाले टकरावों को देखते हुए हो सकता है भविष्य में महासागरों में दोनों के गश्ती दलों में टकराव हो। इससे दोनों के बीच तनाव और बढ़ने की आशंका है। इस समय पाकिस्तान अपनी आर्थिक व्यवस्था की बदहाली के कारण पूरी तरह चीन के कब्जे में आ चुका है। श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह की तरह पाकिस्तान ने भी अपने ग्वादर बंदरगाह को चीन के हवाले कर दिया है, जिस कारण दक्षिणी चीन सागर के साथ–साथ अब चीन की नौसेना की गतिविधियां भारत के आसपास भी उतनी ही बढ़ गई हैं। चीन की उपरोक्त गतिविधियों को देखते हुए कुछ दिन पहले दिल्ली में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की विशेष बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्र में यातायात भयमुक्त और निर्धारित नियम–कानून के अनुसार सुगमता से चलना चाहिए। इसको देखते हुए चीन को अपनी विस्तारवादी नीतियों पर अंकुश लगाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र जैसी विश्व संस्था रूस–यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी हिंसा पर अभी तक रोक नहीं लगा पाई है। तिस पर चीन की आक्रामक गतिविधियां विश्व शांति के लिए बड़ा खतरा हैं। ऐसे में, संयुक्त राष्ट्र को कुछ न कुछ तो करना ही होगा। वर्ष 1985 से चीन और जापान के बीच एक द्वीप पर विवाद चल रहा है, जिस पर चीन अपना दावा कर रहा है। चीन द्वारा दक्षिणी चीन सागर और हिंद महासागर के बहुत से क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय यातायात नियमों की अक्सर धज्जियां उड़ाई जाती है। इसी को देखते हुए हमारे नौसेना प्रमुख ने पिछले दिनों कहा था कि इन समुद्रों में व्यवस्थित और सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए खतरा पैदा हो गया है। उनका इशारा चीन की तरफ ही था। हिंद महासागर का तटीय देश होने के कारण पूरे विश्व को भारत से आशा है कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में सभी को सुरक्षा देने वाला क्षेत्र बने। इस कारण भारत ने भी अपनी नौसैनिक तैयारी पर पूरा जोर दिया है। इसके लिए भारतीय नौसेना में ड्रोन तथा आधुनिक पनडुब्बियों को शामिल किया गया है। चीन और भारत की जमीनी सीमाओं पर होने वाले टकरावों को देखते हुए हो सकता है भविष्य में महासागरों में दोनों के गश्ती दलों में टकराव हो। इससे दोनों के बीच तनाव और बढ़ने की आशंका है। इस समय पाकिस्तान अपनी आर्थिक व्यवस्था की बदहाली के कारण पूरी तरह चीन के कब्जे में आ चुका है। श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह की तरह पाकिस्तान ने भी अपने ग्वादर बंदरगाह को चीन के हवाले कर दिया है, जिस कारण दक्षिणी चीन सागर के साथ–साथ अब चीन की नौसेना की गतिविधियां भारत के आसपास भी उतनी ही बढ़ गई हैं। चीन की उपरोक्त गतिविधियों को देखते हुए कुछ दिन पहले दिल्ली में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की विशेष बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्र में यातायात भयमुक्त और निर्धारित नियम–कानून के अनुसार सुगमता से चलना चाहिए। इसको देखते हुए चीन को अपनी विस्तारवादी नीतियों पर अंकुश लगाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र जैसी विश्व संस्था रूस–यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी हिंसा पर अभी तक रोक नहीं लगा पाई है। तिस पर चीन की आक्रामक गतिविधियां विश्व शांति के लिए बड़ा खतरा हैं। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य हिंद, अरब तथा प्रशांत महासागरों में अपनी गश्त बढ़कर चीन और पाकिस्तान द्वारा अपना दबदबा स्थापित करना था। चीन ने निश्चय किया है कि इसके बाद दोनों देशों की नौसेना पूरे साल इन समुद्रों की चौकसी के लिए पेट्रोलिंग करेगी। वर्ष 1949 में चीन में कम्युनिस्ट शासन स्थापित होने के बाद माओ ने विस्तारवादी नीति अपनाते हुए अपने 16 पड़ोसी देशों की भूमियों पर अवैध कब्जा किया था।

अच्छी परवरिश बच्चों के दृष्टिकोण को संवेदनशील बनाती है

उस दिन मुझे मेरी तीसरी कक्षा की क्लास टीचर घर छोड़कर गई थीं। उन्होंने एक गिलास पानी पिया और फिर मेरी मां से बोलीं, 'आपको पता है, आपके बेटे ने आज क्या किया?' मेरी मां के चेहरे पर प्रश्नवाचक भाव उभरा ही था कि टीचर बोलती रहीं, 'उसने स्कूल के बाहर एक खुले गटर के पास खड़ी साइकिल के डंडे पर बैठे छोटे बच्चे को उसमें गिरने से बचाया। बच्चे के पिता अपने बड़े बेटे को स्कूल के अंदर छोड़ने गए थे और छोटे बच्चे ने साइकिल हिला दी और वह गटर में गिरने ही वाली थी। अगर आपके बेटे ने उस बच्चे को नहीं पकड़ा होता, तो कुछ भी हो सकता था।' मेरे आग्रह पर टीचर यह घटनाक्रम बताने के लिए घर आईं थी। ये साढ़े पांच दशक पुराना घटनाक्रम तब याद आया, जब मैंने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल के एक युवा को यह कहते सुना, 'मैं घर जाऊं और मेरे काम से मेरी मां खुश हो जाएं, तो मैं सफल आदमी हूं। सफलता अनुभव करते हुए मैं सोऊंगा। लेकिन मैं फिर असफलता के अनुभव के साथ जागूंगा और मुझे फिर कोशिश करनी होगी ताकि मम्मा कह सकें, मुझे आज भी तुम पर गर्व है।' ये उसका कोई डायलॉग नहीं, न ही उसकी फिल्म या स्क्रिप्ट है। ये एक बच्चे का उसकी मां के प्रति सहज भाव है। मैं उसके शब्दों से अभिभूत हो गया, वो इसलिए क्योंकि इस न्यूकमर ने एक ऐसी इंडस्ट्री में कदम रखा है, जो कई सत्ता केंद्रों से संचालित होती है– धन, लोकप्रियता और इस सबसे ऊपर मनोरंजक क्षमता। किसी पिता को बुरा नहीं लगना चाहिए कि उसने अपने पिता का नाम नहीं लिया। उसने शायद लिया होगा, लेकिन उसके काम पर खुश होने के लिए दुर्भाग्य से उसके पिता इस दुनिया में नहीं है। मैं उसके पिता को जानता था, बहुत सज्जन व्यक्ति थे, जो बेहद शालीनता से, पर उतने ही प्रभावी तरीके से बात करते थे। मैं बात कर रहा हूं इरफान खान के बेटे बाबिल खान की, जो 2022 में अपनी पहली फिल्म 'कला' करने के बाद 'द रेलवे मैन' के शूट में जुट गए थे। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर आज रिलीज हो गई। यह उन गुमनाम नायकों की कहानी है, जो 2 दिसंबर 1984 को भोपाल की औद्योगिक गैस त्रासदी में नायक बनकर उभरे। उनके साहस, कर्तव्य का अहसास और मानवीयता की कहानी है। सीरीज में आर. माधवन का एक दमदार डायलॉग है, 'इतनी भीषण परिस्थिति में किसी की मदद करने कोई मूर्ख ही जाएगा या कोई अपना!' यही बाकी लोगों के प्रति संवेदनशीलता कहलाती है। अपनी आने वाली सीरीज को लेकर एक पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल पर बाबिल का यह जवाब मर्मस्पर्शी था। एक और ऐसा शख्स है, जो अपने आसपास के लोगों के प्रति संवेदनशील है, वो है न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन। उनकी एक कहानी है कि जब वह 12 साल के थे, तो एक के बाद एक तीन पारियों में स

घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब व्रती महिलाओं ने भगवान भास्कर को दिया अर्ध्य

जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम

अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के गुलाबी समिति अध्यक्ष बिट्टू दीदी और सचिव डॉली जोशी दीदी के नेतृत्व में डाला छठ पूजा का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बिहार के प्रमुख पर्वों में शुमार डाला छठ अब धीरे–धीरे उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में जोर–जोर से मनाया जाने लगा है चार दिन के चलने वाले इस व्रत में जौनपुर में भी महिलाओं ने व्रत रखा व्रत के तीसरे दिन भगवान सूर्य को डूबते हुए अर्ध देकर लोगों की मंगल कामना के लिए प्रार्थना किया।। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ मइया की गीत गाते हुए व्रती महिलाएं अपने घर चली गयीं। नगर के प्रतिमा विसर्जन घाट, गोपी घाट, गूलर घाट, हनुमान घाट, मां विंध्यवासिनी घाट, पांचो शिवाला घाट, मां अचला देवी घाट, जोगियापुर, केरारवीर घाट, सूरज घाट सहित अन्य घाटों जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के जलाशयों, तालाबों, नहरों सहित स्वयं से गड्ढा खोदकर बनाये गये जलाशय के किनारे देखने को मिला।

सामाजिक एवं धार्मिक संस्था श्री संकट मोचन संगठन ट्रस्ट द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शाही पुल के स्थित गोपी घाट पर संगठन के पदाधिकारियों द्वारा जहां पानी में बैरियर लगाया गया था, वहीं अंधेरे को देखते हुये प्रकाश की व्यवस्था की गयी। साथ ही कण्ट्रोल रूम बनाकर ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से पूरे मेले का संचालन किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार लगातार घाटों का पुलिस कर्मियों के साथ चक्रमण करते रहे तो वही सरायपोख्ता चौकी प्रभारी अरविंद कुमार सिंह अपने हमराहियों जितेंद्र सिंह विनय सिंह व महिला पुलिसकर्मियों के साथ लगातार घाटों का चक्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद दिखाई दिए।

महिलाओं ने अर्घ्य देने के साथ ही छठ मइया से विश्व कल्याण और परिवार के सुख–समृद्धि की प्रार्थना की। प्रति महिलाओं का मानना है कि भगवान सूर्य को अर्ध देकर वह परिवार के सुख शांति की कामना करती हैं साथ ही परिवार के लोगों के लिए होने की भी कामना की जाती है महिलाओं का यह भी मानना है कि उनकी पूजा करने से विश्व का कल्याण होता है घर में सुख शांति बनी रहती है पुत्र और पतियों की आयु लंबी होती है यह भी मानना है कि भगवान सूर्य को अर्ध देने से जो भी मनोकामनाएं होती है वह जरूर पूरी होती है।

इसी तरह केराकत में भी निर्जला व्रत रखने वाले उपासकों के साथ परिजन रविवार दोपहर बाद से नगर के रामेश्वर घाट, बाबाघाट, नावघाट, गोमतेश्वर घाट, सिहौली घाट सहित दर्जनों घाट पर इकट्ठा होने लगे। जहां श्रद्धालुओं ने पानी में खड़े होकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान कोई श्रद्धालु दंडवत करते हुए पूजन स्थल पर पहुंचा तो कोई अराधना करते हुए। जिससे पूजन स्थल पर आस्था, निष्ठा श्रद्धा की गंगा की त्रिवेणी बह रही थी। बांस की सुपेली, चंगेली, नारियल, सरीफा, मौसमी, गन्ना, गंजी, सुथनी, कच्ची हल्दी, मूली, हरा साग, भीगा चना, ठेकुआ, पूड़ी, हलवा आदि एक टोकरी में सजाकर कर घाटों पर लाया गया। इस दौरान कई व्रत करने वाली महिलाओं के पति सिर पर टोकरी में पूजा सामग्री लेकर घाटों पर पहुंचे। महिलाएं छठ मइया का गीत गाते हुए टोलियों के रूप में घाट पर पहुंची और उगते हुए भाष्कर को अर्घ्य दिया।ध अर्घ्या देने के बाद महिलाएं टोलीघ्द के ही रूप मेंध गीत गाते हुए वापस अपनेध घरों को चली।

सुरक्षा व्यवस्था को विभिन्न घाटों पर पुलिसकर्मी तैनात रहे। मेले में आने–जाने वाले प्रत्येक राहगीर पर कड़ी नजर रख रहे थे। ।इसी क्रम में अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के गुलाबी समिति कि अध्यक्ष बिट्टू दीदी और सचिव डॉली जोशी दीदी के नेतृत्व में शाहगंज में भव्य डाला छठ पूजा का आयोजन किया गया । अस्ताचलगामी सूर्य भगवान को अर्क देकर रविवार 19 नवंबर (शाम 4 बजे) नवंबर राम जानकी मंदिर बावलिया पोखरा घास मंडी चौराहा शाहगंज मे किया गया है जिसमे सभी सम्मानित परिवार के सदस्य उपस्थित रहे और श्रद्धा भाव से पूजन किया ।इस अवसर पर अतुल वेलफेयर ट्रस्ट परिवार की अध्यक्ष उर्वशी सिंह सहित ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी और मीडिया प्रभारी भी पूजा के दौरान उपस्थित रहे।

प्रतिभावान खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का जबरदस्त प्रदर्शन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नारसन, हरिद्वार। राजा महेंद्र प्रताप डिग्री कॉलेज के प्रांगण में ब्लॉक स्तरीय खेल महाकुंभ प्रतियोगिता के दूसरे दिन अंडर 14 के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया।

आज प्रतियोगिता के दूसरे दिन मुख्य अतिथि जिला युवा कल्याण एवं पार्टी रक्षक दल अधिकारी प्रमोद पांडे तथा युवा कल्याण अधिकारी मुकेश भट्ट ने प्रतिभावान खिलाड़ियों को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र बताकर उत्साहवर्धन किया।

600 मी अंडर 14 बालिका वर्ग में शैफाली ने प्रथम स्थान द्वितीय स्थान मानसी तथा तृतीय स्थान वनिक ने प्राप्त किया। लंबी कूद अंडर 14 बालिका वर्ग में तनु ने प्रथम स्थान द्वितीय स्थान आदि तथा तृतीय स्थान मानसी ने प्राप्त किया।

बालिका वर्ग में कबड्डी अंडर 14 वर्ग में नारसन ने प्रथम स्थान तथा द्वितीय स्थान लाठर देव हून के छात्रों ने प्राप्त किया।

खो खो में बालिका वर्ग अंडर 14 में महाराणा प्रताप ढंडेरा ने प्रथम स्थान तथा द्वितीय स्थान लिबर हरी ने प्राप्त किया।

बालक अंडर 14 में लेबर हरी ने प्रथम स्थान तथा द्वितीय स्थान नारसन ने प्राप्त किया।

वॉलीबॉल बालक अंडर 14 वर्ग में लिबर हरी प्रथम स्थान तथा द्वितीय स्थान नारसन ने प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में नीति पांचाल, वंशिका, पलक,, हिमानी, आदितआ तथा मधु ने अपने खेल प्रदर्शन से खेल प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया।

प्रतियोगिता को संपन्न कराने में समीर एवं मुदस्सिन अली, सुमित कुमार, नीतू कुमार अलीशा चौधरी सिद्धार्थ चौधरी वर्षा कुमारी ब्लॉक कमांडर कृष्णपाल कबड्डी को जयवीर का विशेष योगदान रहा।

प्रतियोगिता का मंच संचालन वीर सिंह के द्वारा संपन्न हुआ।

ठंड और स्मॉग से त्वचा पर पड़ती है दोहरी मार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।– सर्दियों के मौसम में एक तो गिरता तापमान और प्रदूषण के कारण वातावरण में फैली स्मॉग से आपकी त्वचा पर दोहरी मार का कारण बनती है। सर्दियों में तापमान कम होने से हवा शुष्क हो जाती है, जिससे त्वचा रूखी और बेजान होने लगती है। दूसरी ओर, स्मॉग में मौजूद प्रदूषक त्वचा को नुकसान पहुंचाकर झुर्रियां, दाग–धब्बे और अन्य समस्याएं पैदा कर सकते हैं। स्मॉग केवल बाहरी तौर पर ही नहीं शरीर में अंदरूनी तौर पर भी कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा करता है, जिससे त्वचा भी प्रभावित होती है।

स्किनक्योर क्लीनिक की डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. आकांक्षा जुयाल ने बताया,ष्सर्दियों के मौसम में हर किसी की त्वचा सूखी होने लग जाती है। यह रूखापन इस पर निर्भर करता है कि किसकी नैचुरल स्किन का मॉइस्चर लेवल या नैचुरल स्किन का ऑयल लेवल क्या है। जिनकी ड्राई स्किन है, उनकी बहुत सर्दियों में अपना मॉइस्चर लेवल बनाकर रखना जरूरी है।

इसके लिए शरीर का हाइड्रेशन लेवल मेंटेन रखना जरूरी होता है। ड्राई स्किन में हर किस्म का डैमेज भी ज्यादा हो सकता है। सर्दियों के मौसम में एक्जिमा, स्किन में ड्राई पैचेस बनकर खुजली होने लग जाती है, पानी निकलने लग जाता है। एक्जीमा भी सर्दियों में बढ़ता है, एलर्जी भी बढ़ सकती है। इसके अलावा डैमेज स्किन पर पिगमेंटेशन के भी चांसेस बढ़ जाते हैं।

डॉ. आकांक्षा जुयाल के मुताबिक स्मॉग में मौजूद पार्टिकुलेट मैटर त्वचा के रोम छिद्रों को बंद कर देते हैं और कार्बन एजिंग प्रोसेस को बढ़ा देता है। स्मॉग न केवल ऊपरी त्वचा को नुकसान पहुंचाता है बल्कि शरीर के अंदर जाकर फेफड़ों सहित कई अंगों को प्रभावित कर इंसान को बीमार बना देता है। इस बीमारी का असर त्वचा पर भी पड़ता है। देखा जाए तो स्मॉग स्किन पर दोहरी मार करता है। इसलिए सर्दियों में त्वचा को लेकर बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।

डॉक्टरों के मुताबिक यदि स्किन पर सूखापन ज्यादा बढ़ जाए और लगातार खुजली बढ़ जाए तो ऐसे में अपने से कोई इलाज करने के बजाय तुरंत डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह लेकर दवा का इस्तेमाल करना चाहिए। सर्दियों में त्वचा पर कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं, जैसे कि मुंहासे, एक्जिमा, सोरायसिस आदि। इन समस्याओं का इलाज क्वालिफाइड डर्मेटोलॉजिस्ट की देखरेख में किया जाना चाहिए। इन समस्याओं से बचने के लिए कुछ उपाय निम्नलिखित हैंरू

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

पानी शरीर को हाइड्रेट रखता है, जिससे त्वचा भी हाइड्रेट रहती है। सर्दियों में कम से कम 2–3 लीटर पानी पीना चाहिए।

सौम्य क्लींजर का इस्तेमाल करें

सर्दियों में त्वचा बहुत संवेदनशील हो जाती है। इसलिए, सौम्य क्लींजर का इस्तेमाल करें, जो त्वचा को नुकसान न पहुंचे।

मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें

सर्दियों में त्वचा को मॉइस्चराइज करना बहुत जरूरी है। मॉइस्चराइजर त्वचा को नमी प्रदान करता है और इसे रूखा होने से बचाता है।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें

गर्मियों की तरह सर्दियों में भी सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना जरूरी है। सनस्क्रीन सूर्य की हानिकारक किरणों से त्वचा को बचाता है।

बालों के लिए उपायरू–

सर्दियों में बाल भी रूखे और बेजान हो जाते हैं। इसके लिए बालों को धोने से पहले गर्म पानी का इस्तेमाल न करें। बालों को धोने के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल करें। बालों को पॉल्यूशन से बचाने के लिए हेयर मास्क का प्रयोग करें।बालों को धोने के लिए पैराबेन और सल्फेट मुक्त शैम्पू का इस्तेमाल करें।

इन उपायों को अपनाकर आप सर्दियों में अपनी त्वचा और बालों को स्वस्थ रख सकते हैं।

विदेश रहने वाले इंजीनियर के घर में भीषण चोरी, छठ पूजा के लिए परिवार गया था बहार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के मेढामैर गांव में चोरों के गिरोह ने ताला तोड़कर लाखों रुपए मूल्य के जेवरात और नदी पर हाथ फेर दिया। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि बीती रात सभाजीत यादव का पूरा परिवार छठ की पूजा करने के लिए घर में ताला लगाकर गए हुए थे। पूजा करने के लिए महिला और पुरुष बच्चे सभी घर के लोग गए हुए थे। मौका पाकर चोरों के गिरोह ने मुख्य द्वार का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया और अंदर भी कमरे में लगे ताले को तोड़ा और तीन बहू के सोने चांदी के जेवरात जिसकी कीमत लगभग 20 लख रुपए बताई गई है। जिनके यहां चोरी हुई है सभाजीत यादव का एक पुत्र और बहू विदेश में इंजीनियर है और यह काफी संपन्न परिवार अपने क्षेत्र में माना जाता है। इस बड़ी चोरी की घटना से पूरे क्षेत्र में भाई एवं दहसत व्याप्त हो गई है। इस संबंध में इंस्पेक्टर सरायख्वाजा को फोन लगाकर संपर्क करने पर प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि चोरी की घटना दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से टैम्पो चालक की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कोठवार में स्थित रेलवे फाटक क्रास करते समय टैम्पो चालक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। इसी थाना क्षेत्र के हम्जापुर गांव निवासी दरोगा 35 वर्ष पुत्र विजई राम कोठवार बाजार में सोमवार के दिन लगभग 12 बजे हुआ था। एक डेढ़ घंटा बाजार में रहकर वापस लौट रहा था कि उसी समय जौनपुर की तरफ से ट्रेन जा रही थी। दरोगा ने सोचा की ट्रेन आने के पहले ही वह रेलवे लाइन पार कर जाएगा और वह रेलवे लाइन पार करने लगा। उसी समय दोरागा ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसके वह हवा में उड़ गया। ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि वह सेंट जॉन स्कूल के बच्चों को लेकर उनके घर पहुंचाया करता था और अपना टैम्पो स्कूल के पास का किए हुए था लेकिन दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि वह नशे का पूरी तरह आदि था। नशे में वह रेलवे लाइन पार कर रहा था।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार छात्र की मौत, दूसरा गंभीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज से पचहटिया की तरफ जा रही तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौके पर ही घटना स्थल पर मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के ग्राम बाधमिया कुत्तुपुर गांव निवासी युवक यश उर्फ लालू यादव पुत्र फेरई यादव उम्र 16 वर्ष बाइक से अपने दोस्त के साथ स्कूल जा रहा था। उसी समय शाहगंज से पचहटिया की तरफ जा रही तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचलते हुए ट्रक समेत फरार हो गया। जिससे बाइक सवार युवक यश की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी तरफ बाइक पर सवार दूसरा युवक अंश गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना से गुस्साए ग्रामिणों ने शाहगंज जौनपुर मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामिणों को समझा बुझाकर लगभग दो घंटे चले चक्का जाम को समाप्त कराया। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया व दूसरे घायल युवक अंश को जिला अस्पताल भेजा गया जहां युवक की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए बीएचयू वाराणसी रेफर कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही गुस्साए परिजनों ने ट्रक चालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा को पत्र देकर उक्त ट्रक चालक के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है। घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट ने युवक के परिजनों को ट्रक चालक के खिलाफ कठोर कार्यवाही का अश्वासन दिया। कुत्तुपुर गांव के पूर्व प्रधान रमेश सोनकर ने मृतक युवक के पीड़ित गरीब परिवार के लिए प्रशासन से आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है। थाना लाइन बाजार में स्थित नई मंडी में चालक अपनी ट्रक को छोड़कर फरार हो गया। इस सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया।

कड़ाई केतनो होय शासन मेंनरमी आवत नहीं दुशासन मेंबचके रहना अब अपनो से भी खंजर हौ सबके लिबासन में : नंद लाल समीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था कोशिश की मासिक काव्य गोष्ठी बाबू रामेश्वर प्रसाद सिंह हाल रासमंडल जौनपुर में ख्यात समाज सेवी डाक्टर विमला सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सरस्वती वंदना के पश्चात नंद लाल समीर की रचना––कड़ाई केतनो होय शासन मेंध्नरमी आवत नहीं दुशासन मेंध्बचके रहना अब अपनो से भीध्खंजर हौ सबके लिबासन में। व्यवस्था पर चोट कर गई। ओ.पी. खरे की रचना–––पेट जिससे ही भरे पकवान होता है––गरीबों की बदहाली बता गई। इसके बाद अंसार जौनपुरी का शेर–––तोड़ पाया न कोई रिश्तये जंजीरे वफाध्अब भी बाकी मेरे उल्फत का भरम है,कम है––खूब पसंद किया गया। अशोक मिश्र का गीत––माँ ने दीपक बारा होगा इस दिवालीध्अंधियारा फुफकारा होगा इस दिवालीध्कुछ मुंडेर पर कुछ चौबारे कुछ आँचल मेंध्छुप–छुप आँसू ढ़ारा होगा इस दिवाली। मानवीय संवेदना के क्षरण को इंगित कर गया। गिरीश कुमार गिरीश का मुक्तक––जरा सोचो अगर दुनिया में ये रिश्ते नहीं होतेध्कई टुकड़ों में बटकर दिल के ये हिस्से नहीं होतेध्ये आँसू,दर्द,गम,आहें मुहब्बत की निशानी हैंध् कभी जिंदा कहानी ये हँसी किस्से नहीं होते। दिलों के मिलने बिछुडने की दास्तान कह गए। जनार्दन प्रसाद अष्ठाना का गीत––चाँद चाँदनी के संग रमता और कमल संग पानीध्राम करें ऐसी हो जाये सबकी प्रेम कहानी। प्रेम को उदात्त भाव दे गया। आसिफ फरूखाबादी का शेर––मजहब के नाम पर लोगों को मत बाँटो

एकता का संदेश दे गया। अनिल उपाध्याय का लोकभाषा में गीत––तू हऊ माई/बेटवा हई हम

तोहरे भरोसा बाटैध्विद्या कसम।

भाषा का ठाट–बाट परोस गया। प्रो. आर. एन.सिंह ने जब कहा––आज नहीं तो कल निकलेगाध्हर मुश्किल का हल निकलेगा। आशा का संचार कर गया। गोष्ठी में संजय सेठ अध्यक्ष जेब्रा की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही। आभार ज्ञापन प्रो आर एन सिंह ने किया और संचालन अशोक मिश्र ने किया।

गंगा समग्र की आगामी कार्यक्रमों पर वृहद चर्चा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर गंगा समग्र की आभाषी बैठक में आगामी तीन मुख्य कार्यक्रमों पर काशी प्रान्त के संगठन मंत्री माननीय अंबरीश जी ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि 350 वर्ष पूर्व हिन्दू राष्ट्र का सपना देखने वाले महान छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित महानाट्य ष्जाणता राजाष एक ऐतिहासिक गौरवगाथा का सजीव मंचन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के एंफीथिएटर मैदान पर दिनाँक 21 नवंबर से 26 नवंबर प्रतिदिन सांय 5रू30 से 8रू30 तक होना है जिसका आयोजन सेवाभारती, काशी प्रान्त कर रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रप्रेम, अपनी संस्कृति, संस्कार और भारतवर्ष के गौरवशाली इतिहास को आम जनमानस के मध्य पहुंचना है। इस आयोजन के बाद प्राप्त सहयोग धनराशि से महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर हॉस्पिटल के समीप मरीज एवम उनके परिजनों के आवास व भोजन के लिए भवन निर्माण कराया जायेगा जिससे किसी को किसी प्रकार की कठिनाई न उठाना पड़े।

सभी कार्यकर्ताओं आगामी देवदीपवाली पर सभी अपने अपने क्षेत्र के गंगा जी एवम अन्य सहायक नदियों के समीप बसने वाले न्याय पंचायतों तक संपर्क कर घाटों पर दीपदान के लिए सभी को प्रेरित करे। इस प्रकार उनके मन में नदी एवम अन्य जल स्रोतों के प्रति श्रद्धा जागृत होगा।

इसी प्रकार 22 जनवरी को अयोध्या धाम में दोपहर 12रू20 से 12रू45 के शुभ मुहूर्त पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होना तय है। इस आयोजन में विश्व भर के 140 परंपराओं के 4000 से अधिक संत महापुरुष, 2500 से ज्यादा कार सेवकों के परिवारजन और देश भर के सम्मानित जनों की उपस्थिति रहेगी। अतः गंगा समग्र के कार्यकर्ता अपने अपने स्थान पर रहकर कार्यक्रम में सम्मिलित होने वालो का विशेषकर ध्यान रखेंगे, ताकि उनको किसी भी तरह की कठिनाई न उठानी पड़े। अन्त में प्रान्त संयोजक अजय कुमार मिश्रा ने सभी कार्यकर्ताओं से इन तीनों मुख्य कार्यों में जी जान से लग जाने का आग्रह करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रान्त सह संयोजक डॉ अभिषेक श्रीवास्तव ने किया। इस बैठक में काशी प्रान्त के सभी भाग संयोजक, जिला संयोजक और सह संयोजकों की उपस्थिति रही।उक्त आशय की जानकारी संचार संवाहक विश्व प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

माध्यमिक विद्यालय राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में हरिद्वार ने परचम लहराया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

देहरादून। माध्यमिक विद्यालय राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता अंडर 17 बालिका वर्ग में हरिद्वार ने संघर्षपूर्ण मैच में देहरादून को फाइनल में हराकर विजेता बन परचम लहराया। इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी हरिद्वार कमलेश कुमार गुप्ता तथा माध्यमिक शिक्षा अधिकारी हरिद्वार आशुतोष भंडारी ने विजेता टीम,टीम मैनेजर मनमोहन डबराल तथा टीम कोच शिखा बिष्ट को हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर जिला खेल समन्वयक गजेंद्र सिंह ने बताया की राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हॉकी प्रतियोगिता जो कि कर्नाटक के मड़ीकेरी, जिला कोडागु आयोजित होगी उसमें विजेता टीम उत्तराखंड का प्रतिनिधि करेगी।

इस उपलब्धि पर हरिद्वार के खेल प्रेमियों में गजब का उत्साह देखने को मिला।

अश्लील गाना बजाने से मना करने पर नाराज शोहदों ने किया चाकुओं से हमला

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली जिले के सलोन इलाके में एक अजीब घटना सामने आई है। मुंडन संस्कार के दौरान अश्लील गाना बजाने से मना करने पर नाराज कुछ लोगों ने चाकुओं से हमलाकर दिया। हमलावारें ने एक–एक करके पांच लोगों को चाकुओं से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस घटना कार्यक्रम स्थल पर भगदड़ मच गई। घायलों में एक व्यक्ति को गंभीर हालात में जिला अस्पताल से ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। घटना के संबंध में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सभी आरोपी फरार हैं। सलोन कस्बे के पूरे राजा मियां का पुरवा निवासी करम सिंह के बेटे समर (3) का शुक्रवार को मुंडन संस्कार था। रात में आयोजित भोज में बहुत से मेहमान पहुंचे थे। मेहमानों के लिए मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था।

सांसद संजय सिंह कि गिरफ्तारी के विरोध में आप पार्टी द्वारा जिले में पर्ची बांटने का अभियान चलाया जाएगा

केंद्र सरकार द्वारा आप पार्टी को खत्म करने कि की जा रही है साजिश : जिलाध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह कि गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी द्वारा जिले में पर्ची अभियान चलाया जाएगा। आम आदमी पार्टी जौनपुर के जिला अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह (मुन्ना) ने भाजपा सरकार पर बड़े आरोप लगाते हुए कहा कि जिस तरह आम आदमी पार्टी को खत्म करने कि साजिश केंद्र सरकार द्वारा की जा रही है यह बहुत ही निंदनीय कार्य है क्योंकि जिस तरह आम आदमी पार्टी के बड़े–बड़े नेताओं को फर्जी तरीके से जेल भेजा जा रहा है यह लोकतंत्र की हत्या करने जैसा कार्य है। और जिस तरह म्क द्वारा ईमानदार नेता सांसद संजय सिंह को गलत तरीके से फर्जी केस में गिरफ्तार किया गया यह सीधे–सीधे लोकतंत्र की हत्या करने जैसा कार्य है।

इसलिए अब आम आदमी पार्टी जौनपुर के कार्यकर्ताओं द्वारा जनपद के सभी क्षेत्रों में पर्ची बाते जाएंगे और इस पर्ची के माध्यम से जनता को यह बताया जाएगा की किस तरीके से भाजपा सरकार द्वारा म्क्दृ ब्ठप् का दुरुपयोग करके आम आदमी पार्टी के द्वारा जनता को मुफ्त बिजली पानी शिक्षा व चिकित्सा जैसे सराहनीय कार्यों को रोकने और आप पार्टी को बदनाम और खत्म करने कि साजिश की जा रही है। यह पर्ची बांटने का कार्यक्रम बहुत जल्द जिले में आप पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रारंभ किया जाएगा।

उक्त जानकारी पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दिया।

वरदान चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निशुल्क सामूहिक विवाह समारोह ३ दिसंबर को

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)।

वरदान चौरिटेबल ट्रस्ट हरदोई द्वारा आगामी 3 दिसम्बर को होने वाले निशुल्क सामूहिक विवाह समारोह की जोर शोर से तैयारियों के क्रम में पूर्व में पंजीकृत युगलों का साक्षात्कार गांधी भवन में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव अतुल कांत द्विवेदी ने बताया कि आज के साक्षात्कार में 30 जोड़ों ने भाग लिया उनके आवेदन पत्रों की जांच विधिवत की गई 15 युगलों के आवेदन पत्र पूर्णतः पूर्ण पाए जाने पर 12 युगलों को विवाह हेतु टोकन जारी किए गए तथा 3 युगलों को निकाह हेतु टोकन जारी किए गये। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष निकाह सहित कुल 21 जोड़ो की शादियां सम्पन्न होंगी। जिन युगलों के आवेदन पत्र अपूर्ण पाए गये उन लोगो को आवेदन पत्र की कमियों को पूर्ण करने हेतु 26 नबम्बर समय दिया गया । इस अवसर पर उपस्थित ट्रस्टी व सहयोगी गणों ने समारोह को भव्य और और सफल बनाने की जिम्मेदारी भी निर्धारित की गयी।

इस अवसर पर ट्रस्टी अविनाश चन्द्र गुप्ता अतुल कपूर, करुणा शंकर द्विवेदी तथा सहयोगी गण आलोकिता श्रीवास्तव, रुपाली मित्तल, अनिल मिश्रा,श्रवण कुमार राही, अशोक श्रीवास्तव, उमाकांत,प्रेम,राकेश आदि शामिल रहे।

सेहत के लिए वरदान है मोटे अनाज - जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कृषि विभाग द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित काशीराम सामुदायिक भवन सभागार में उत्तर प्रदेश मीलेट्स पुनरोद्धार योजना अन्तर्गत स्कूल कैरीकुलम के माध्यम से अध्यापकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें श्री अन्न के महत्व एवं उपयोगिता से अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अध्यापकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार की कोशिशों के बाद वर्ष 2023 को दुनिया भर में मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। सरल शब्दों में कहें तो गेहूं और चावल को छोड़कर ज्वार, बाजरा, मक्का, सावा, कोदो, रागी, जौ, जई आदि को मोटे अनाज में शुमार किया जाता है। गेहूं और चावल की तुलना में मोटे अनाजों की सतह तुलनात्मक रूप से खुरदरी होती है। आहार व पोषण विशेषज्ञ मोटे अनाजों की खूबियों से इतने प्रभावित हैं कि इन्हें सुपरफूड्स के रूप में मान्यता दे रहे, अपने विद्यालय के छात्र–छात्राओ को मोटे अनाज की उपयोगिता से जागरूक करें ताकि उनके परिजन मोटे अनाज की खेती करें, श्री अन्न को एमडीएम में भी शामिल किया जाएगा, जिससे जनपद में मीलेट्स के उत्पादन को बल मिलेगा, मानव स्वास्थ्य बेहतर होगा तथा किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी।

उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने कहा कि मोटे अनाजों की उपयोगिता को देखते हुए सरकार ने श्री अन्न योजना का नाम दिया है दूसरे अनाजों की तरह ही मोटे अनाज चीला, खीर, खिचड़ी, दलिया, कटलेट, सूप,उपमा, डोसा, इडली, बिस्कुट स्नेक्स, चिक्की आदि रूपो में खाया जा सकता है। बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल ने कहा कि श्री अन्न से बने खाद्यान्न एमडीएम में सम्मिलित किए जाने से बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के साथ मीलेट्स पुनरोद्धार को बढ़ावा मिलेगा।

वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. आरके सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च (आईआईएमआर) हैदराबाद के अनुसार मोटे अनाज सिलिएक डिजीज के इलाज में लाभप्रद है। इसका कारण है मोटे अनाज ग्लूटेन फ्री है। गेहूं में ग्लूटेन नामक तत्व पाया जाता है जिससे कुछ लोगों में सीलिएक रोग हो जाता है।

भूमि संरक्षण अधिकारी शशिकेश ने कहा कि विशेषज्ञ मोटे अनाज को मधुमेह और कैंसर रोकने वाले तत्वों से भरपूर मानते हैं, पौष्टिक तत्व भरपूर मात्रा में होने के कारण मोटे अनाज को एनीमिया व कुपोषण की समस्या को दूर करने में सहायक माना जा रहा है।

डा. सुरेन्द्र प्रताप ने कहा कि आयुर्वेद के अनुसार मोटे अनाज वात एवं कफ दोष को संतुलित करने में सहायक है। मोटे अनाजों में फाइबर की प्रचुरता उन्हें मधुमेह और मोटापे से बचाती है मोटे अनाजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है इसीलिए मधुमेह व हृदय रोगियो को मोटे अनाज खाने की सलाह दी जाती है।

कृषि वैज्ञानिक डा. संदीप कुमार ने कहा कि नदियों के किनारे वाले गांव जो मोटे अनाज की खेती के लिए अनुकूल होती है, ऐसे गांव का चयन कर निदेशालय को भेजा गया है। कार्य योजना तैयार कर आगामी खरीफ मौसम से जनपद में मोटे अनाजों के बढ़ावा देने के लिए आच्छादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृषि विभाग द्वारा आयोजित होने वाली गोष्ठियों में मोटे खाद्यान्न पैदा करने की तकनीकियो से किसानों को प्रशिक्षित एवं जागरूक किया जा रहा है।

संचालन करते हुए उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने कहा कि मोटे अनाजों की खेती से किसान कम लागत व स्वच्छ पर्यावरण में बेहतर उत्पादन को लेकर कृषि का सतत विकास कर सकते है।

इस अवसर पर उप जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश यादव, जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक कुमार, डा. लालबहादुर, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी डा. स्वाति पाहुजा, अमित कुमार, तथा 100 अध्यापक बेसिक शिक्षा एवं 100 अध्यापक माध्यमिक शिक्षा से मौजूद रहें।

शक्ति स्वरुपा हार नहीं मानूंगी विषय के साथ बहादुर बेटियां फाउण्डेशन ने मनाया वार्षिकोत्सव,एसिड अटैक पीड़िता हुई सम्मानित

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना)

एसिड अटैक किसी लड़की के न केवल शरीर को बल्कि मानसिक रूप से भी विकृत कर देता है और घर परिवार के सारे रिश्ते नाते भी दूरी बनाने लगते हैं। ऐसी परिस्थितियों में आपको न केवल स्वयं से बल्कि समाज से भी लड़ना पड़ता है उक्त उद्गार एसिड अटैक का दंश झेल चुकी रूपाली विश्वकर्मा तथा खुशबू प्रसाद ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। बहादुर बेटियां फाउंडेशन कल अपना पंचम वार्षिकोत्सव ष्शक्ति स्वरूपाष हार नहीं मानूंगीष शीर्षक व कवयित्री सम्मेलन के साथ धूमधाम से मनाध्या। रुपाली ने अपने अनुभव शेयर करते हुए आज कहा कि आज भी एसिड अटैक की घटनाएं लगातार हो रही हैं। इसके लिए सरकार को कठोर कानून के साथ कठोरतम कार्यवाही करनी चाहिए। इससे पूर्व रूपाली विश्वकर्मा तथा खुशबू प्रसाद ने मां शक्ति स्वरूपा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर तथा पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरस्वती वंदना खुशबू गुप्ता तथा स्वागत गीत विनीता पांडेय व उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत किया गया। अतिथियों का स्वागत करते हुए फाउंडेशन की अध्यक्षा कुसुम लता गुप्ता ने कहा कि बहादुर बेटियां फाउंडेशन लगातार बेटियों को सशक्त, सुयोग्य और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है और इसी क्रम में ष्शक्ति स्वरूपाष हार नहीं मानूंगी उद्घोष के साथ वार्षिकोत्सव में एसिड अटैक का दंश झेल चुकी बेटियों रूपाली विश्वकर्मा और खुशबू प्रसाद से उनके अनुभव तथा सभी कवयित्रियों की उत्कृष्ट रचनाओं को हमने सुना।

फाउंडेशन की सदस्यों नीतू गुप्ता, स्नेह लता, गीता गुप्ता, आशा बाजपेयी, शैलेंद्री पाल, नूपुर गुप्ता, नलिनी तथा माधवी श्रीवास्तव ने कवित्रियों का माला पहनाकर तथा साल ओढ़ाकर स्वागत किया। कवयित्री सम्मेलन में चंद्र किरण अग्रवाल, प्रतिमा शैलेंद्र, नीतू मिश्रा, मीरा द्विवेदी, आरती मेहरा, आकृति श्रीवास्तव, गीता गुप्ता श्मनश तथा भावना गुप्ता ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से श्रोताओं का मन छू लिया। श्रिया गुप्ता ने फाउंडेशन की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य की योजनाओं को भी रेखांकित किया। फाउंडेशन की संरक्षिका डॉक्टर चित्रा मिश्रा ने दोनों बेटियों रूपाली विश्वकर्मा और खुशबू प्रसाद को स्मृति चिन्ह देकर तथा शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन आकृति श्रीवास्तव तथा अनिल श्रीवास्तव ने किया।

इस अवसर पर अनुराधा मिश्रा, परिषा तिवारी, पूर्णिमा गुप्ता, शिव प्रकाश त्रिवेदी, आमिर किरमानी, मृदुल श्रीवास्तव, कल्पना मेहरोत्रा, सीमा मिश्रा, अंजली सिंह, महेश मिश्रा नवल किशोर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सांसद संजय सिंह कि गिरफ्तारी के विरोध में आप पार्टी द्वारा जिले में पर्ची बांटने का अभियान चलाया जाएगा

केंद्र सरकार द्वारा आप पार्टी को खत्म करने कि की जा रही है साजिश जिलाध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह कि गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी द्वारा जिले में पर्ची अभियान चलाया जाएगा। आम आदमी पार्टी जौनपुर के जिला अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह (मुन्ना) ने भाजपा सरकार पर बड़े आरोप लगाते हुए कहा कि जिस तरह आम आदमी पार्टी को खत्म करने कि साजिश केंद्र सरकार द्वारा की जा रही है यह बहुत ही निंदनीय कार्य है क्योंकि जिस तरह आम आदमी पार्टी के बड़े–बड़े नेताओं को फर्जी तरीके से जेल भेजा जा रहा है यह लोकतंत्र की हत्या करने जैसा कार्य है। और जिस तरह म्क द्वारा ईमानदार नेता सांसद संजय सिंह को गलत तरीके से फर्जी केस में गिरफ्तार किया गया यह सीधे–सीधे लोकतंत्र की हत्या करने जैसा कार्य है। इसलिए अब आम आदमी पार्टी जौनपुर के कार्यकर्ताओं द्वारा जनपद के सभी क्षेत्रों में पर्ची बाते जाएंगे और इस पर्ची के माध्यम से जनता को यह बताया जाएगा की किस तरीके से भाजपा सरकार द्वारा म्क्दृ ब्ठप् का दुरुपयोग करके आम आदमी पार्टी के द्वारा जनता को मुफ्त बिजली पानी शिक्षा व चिकित्सा जैसे सराहनीय कार्यों को रोकने और आप पार्टी को बदनाम और खत्म करने कि साजिश की जा रही है। यह पर्ची बांटने का कार्यक्रम बहुत जल्द जिले में आप पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रारंभ किया जाएगा।

उक्त जानकारी पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दिया।

अन्तर्राष्ट्रीय भूगोल ओलम्पियाड जियोफेस्ट इण्टरनेशनल-2023

प्रकृति से सामन्जस्य बनाये रखने में ही मानव जाति की भलाई है - जियोफेस्ट-२०२३ के प्रतिभागी छात्रों की आम राय

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सिटी गोन्टेसरी स्कूल, जॉपलिंग रोड कैम्पस द्वारा आयोजित पॉच दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय भूगोल ओलम्पियाड श्जियोफेस्ट इण्टरनेशनल–२०२३श में प्रतिभाग हेतु देश–विदेश से पधारे छात्रों ने आज यहाँ आयोजित प्रेस कान्फेन्स में कहा कि प्रकृति से सामन्जस्य बनाये रखने में ही मानव जाति की भलाई है। सभी को मिलजुलकर पर्यावरण संरक्षण का प्रयास करना चाहिए। प्रतिभागी छात्रों का कहना था कि हम जियोफेस्ट में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए तो आये ही है, साथ ही लखनऊ की तहजीब और यहाँ के ऐतिहासिक स्थलों को देखने की भी हमारी दिली तमन्ना है। ये छात्र जियोफेस्ट की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग हेतु काफी उत्साहित थे एवं सी.एम. एस. में मिले आपसी पारिवारिक माहौल व मेहमानवाजी से गदगद् नजर आये। इन छात्रों का कहना था कि पर्यावरण की समस्या किसी एक

देश तक सीमित नहीं है अपितु विश्व के देशों के एक साथ बैठकर इस पर विचार विमर्श करना होगा। विदित हो कि जियोफेस्ट इण्टरनेशनल–२०२३श का आयोजन २० से २४ नवम्बर तक सी.एम. एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया जा रहा है, जिसमें लगभग ५०० छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं।

सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस अवसर पर कहा कि इस ओलम्पियाड में देश–विदेश के छात्र जिस जोश व उमंग के साथ भाग ले रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि भावी पीढ़ी मानव जाति के अस्तित्व की सुरक्षा हेतु ईश्वर प्रदत्त धरती को साफ–सुथरा तथा हरा–भरा बनाये रखने हेतु जागरूक हो रही है। श्जियोफेस्ट इण्टरनेशनल–२०२३श की संयोजिका व सी.एम.एस. जॉपलिंग रोड कैम्पस की प्रिंसिपल शिप्रा उपाध्याय ने पत्रकारों को बताया कि इस भूगोल ओलम्पियाड को आयोजित करने का उद्देश्य छात्रों में साफ–सुथरी तथा हरी–भरी धरती को निर्मित करने का उत्साह जगाना है। प्रिंसिपल शिप्रा ने बताया कि जियोफेस्ट की प्रतियोगिताएं प्राइमरी, जूनियर एवं सीनियर तीन वर्गों में आयोजित की जायेंगी। इन प्रतियोगिताओं में जेल–ओ–माइम (माइम एक्ट एण्ड पोएम रेसीटेशन), जियोटॉक (वाद–विवाद प्रतियोगिता), जियो एड, जियो क्विज, जियो कोलाज, जियो फ्लोर आर्ट, ३–डी मॉडल मेकिंग, ३–डी साफ्टबोर्ड, जियो टेस्ट, जियो टेक, जियो टून्स, जियो सल्यूशन, जियो टेल्स, जियो फैशन, जियो सिंक एवं जियो प्ली (ग्रुप–एरू ट्रेडीशनल फॉक डान्स एवं ग्रुप–बीरू कोरियोग्राफी) आदि प्रमुख हैं।

सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि जियोफेस्ट इण्टरनेशनल–२०२३ उघ्द्घाटन आज अपरान्हः ४.०० बजे सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित हो रहा है। स्वामी प्रेम परिवर्तन पीपल बाबा, संस्थापक, गिव मी ट्रीज ट्रस्ट, उघ्द्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। श्री शर्मा ने बताया कि जियोफेस्ट इन्टरनेशनल–२०२३ की प्रतियोगिताएं कल २१ नवम्बर को प्रातरू १०.०० बजे से प्रारम्भ होंगी।

यातायात माह मे भी नहीं मिल रहा शहर वासियों को जाम से निजात

एक नवंबर से उन्नीस नवंबर तक 6540 वाहनों पर हुई कार्रवाई

अयोध्या। यातायात माह दिवस के एक पखवाड़ा बीत जाने के बावजूद भी यातायात पुलिस शहर वासियों को जाम से निजात नहीं मिल पा रही है।जो कि शहर वासियों के लिए एक गंभीर समस्या बनी हुई है।इस गंभीर समस्या पर यातायात विभाग के अधिकारी का का कहना है कि हम क्या करें।इस समय शहर में हो रहे शहर के अधिकतर मार्गों पर सड़क निर्माण के चलते जाम की समस्या उत्पन्न होना स्वाभाविक है। इस पर हम भी कुछ नहीं कर सकते।बताते चले कि साल में कोई भी ऐसा दिन ही शायद हो जिस दिन शहर वासियों को जाम से सामना न करना पड़े। प्रतिदिन शहर के प्रमुख चौराहे से लेकर गली कूचों तक जाम ही जाम दिखाई दे रहा है। अगर देखा जाए तो इस समय यातायात माह दिवस के अंतर्गत वाहनों का चालान यातायात पुलिस द्वारा करने के साथ साथ लोगों को यातायात नियम के प्रति जागरूक करना, छात्रों को यातायात के नियमों के प्रति जानकारी देना, सहित अन्य कार्य करने में जुटी है।देखा जाए तो शहर के रिकाबगंज चौराहा, रीडगंज ,चौक, नियांवा ,शांति चौक, सिविल लाइन, रोडवेज, साहबगंज ,बेनीगंज, अमानीगंज, गुदड़ी बाजार, देवकाली, देवकाली बाईपास, रायबरेली बाईपास सहित कोई ही ऐसा चौराहा या मुख्य मार्ग शायद ही बचा हो जहां पर जाम ना लगता हो।इस जाम में इधर से गुजरने वाले घंटा फंसे रहते हैं।

क्या कहते हैं एसपी ट्रैफिक ?

इस गंभीर समस्या को एसपी ट्रैफिक आरके गौतम खुद स्वीकार करते हैं। उन्होंने बताया कि यह एक गंभीर समस्या है परंतु यह गंभीर समस्या तब तक बनी रहेगी जब तक शहर में सड़कों का निर्माण कार्य चलता रहेगा।हां इतना जरूर है कि यातायात पुलिस द्वारा यातायात माह दिवस के अंतर्गत यातायात पुलिस यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही करने के साथ साथ लोगों को यातायात नियम के प्रति जागरुक करने का कार्य किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि 19 नवंबर तक यातायात विभाग द्वारा कल 6540 दो पहिया चार पहिया वाहनों का चालान किया गया। जबकि 14 वाहनों को सीज किया गया।वहीं यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों से 2,67,500 रुपये जुर्माना वसूला गया।उन्होंने बताया कि इसके अलावा हेलमेट के अभाव में 3297,नो पार्किंग में वहां खड़ी करने पर 1798,तथा सीट बेल्ट ना धारण करने वालों 212 वाहन चालको के खिलाफ कार्रवाई की गई।एसपी ट्रैफिक श्री गौतम ने बताया कि यातायात माह दिवस के तहत यातायात पुलिस द्वारा छात्रों व लोगों को यातायात के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

अखिलेश यादव बोले : भगवान भरोसे यूपी का स्वास्थ्य विभाग

लखनऊ (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि डेंगू बुखार और अन्य बीमारियों से हर रोज लोग मर रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार इससे एकदम बेपरवाह है। अस्पतालों में न डॉक्टर हैं और न ही दवाएं हैं। यूपी सरकार बाहर चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। स्वास्थ्य विभाग भगवान भरोसे चल रहा है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि मैनपुरी के बिछवां में नौ माह की गर्भवती को इलाज नहीं मिला। जच्चा–बच्चा दोनों की मौत हो गई। राजधानी लखनऊ में पूर्व सांसद के बेटे तक को इलाज नहीं मिला। अव्यवस्था के चलते मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि गंभीर मरीजों को समय से इलाज तो दूर स्ट्रेचर तक नहीं मिल पा रहा है। व्हीलचेयर के लिए लोग भटकते रहते हैं। सरकार के संरक्षण में सरकारी अस्पताल और प्राइवेट अस्पतालों की मिलीभगत और उपेक्षा से मरीजों का जीवन संकट में है। समाजवादी सरकार में मरीजों के लिए जो 102 और 108 डायल नंबर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई गई थी।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।